वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 87 मंगलवार 25 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को विधानसभा से निकाला

संसदीय कार्य मंत्री का माइक खींच रहे थे, स्पीकर ने मार्शलों से बाहर भिजवाया

जयपुर. कासं। राजस्थान के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा को मौजूदा सत्र से सस्पेंड कर दिया गया है। वे संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल का माइक खींच रहे थे। दरअसल, धारीवाल गुढ़ा को सदन से बाहर निकालने का प्रस्ताव रख रहे थे। इसी पर दोनों में तकरार हो गई। कांग्रेस विधायक रफीक खान बीच में आए तो रफीक और गुढ़ा के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई हो गई। इसके बाद स्पीकर ने गुढ़ा को सदन से बाहर निकालने के आदेश दिए और मार्शल बुलाकर उन्हें सदन से निकलवा दिया। गुढ़ा ने कहा कि पहले सीएम साहब ने रसगुल्ले दिए थे, आज घूंसे मार दिए। गुढ़ा के अलावा भाजपा विधायक मदन दिलावर को भी निलंबित कर दिया गया। अब वे विधानसभा की कार्यवाही में भाग नहीं ले सकेंगे। उन्हें विधायक के तौर पर मिलने वाली सुविधाएं भी फ्रीज रहेंगी। राजेंद्र सिंह गुढ़ा के विधानसभा में पहुंचते ही हंगामा हुआ था। गुढ़ा लाल डायरी लेकर पहुंचे थे। वे स्पीकर के सामने डायरी लहराने लगे थे। सदन के बाहर मीडिया से बात करते हुए गुढ़ा रो पड़े। कहा- सदन में उन्हें बोलने नहीं दिया गया। कांग्रेसी मंत्रियों-विधायकों ने मारपीट की, धक्का दिया और घसीटकर बाहर निकाला है। इस पर स्पीकर सीपी जोशी को विधानसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। दोपहर दो बजे बाद दोबारा कार्यवाही शुरू हुई तो सारे घटनाक्रम को लेकर विपक्ष ने हंगामा कर दिया। बीजेपी विधायक वेल में आ गए और लाल डायरियां लहराने लगे। थोड़ी देर तक हंगामे के बीच विधानसभा की कार्यवाही जारी रही। इस बीच, शोर-शराबा बढ़ने पर एक घंटे के लिए दोबारा रोक दी गई। विधानसभा की कार्यवाही साढ़े तीन बजे फिर शुरू हुई तो हंगामा जारी रहा। इस बीच तीसरी बार कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। वहीं, हंगामे के बीच विधानसभा में तीन बिल पारित हुए। दोपहर 3.24 बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही सदन में बीजेपी विधायकों ने फिर हंगामा शुरू कर दिया। वेल में आकर बीजेपी विधायकों ने नारेबाजी की। हंगामे के बीच ही मंत्री शांति धारीवाल ने मणिपुर हिंसा को लेकर शासकीय संकल्प पेश किया। स्पीकर ने हंगामा करने और कागज फेंकने पर बीजेपी विधायक मदन दिलावर को सदन से निकालने को कहा। इस आदेश के बाद बीजेपी विधायक दिलावर को घेरकर नारेबाजी करने लगे। हंगामा बढ़ता देख स्पीकर ने आधे घंटे के लिए फिर सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया। बीजेपी विधायक वेल में आकर धरने पर बैठ गए। सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई तो बीजेपी विधायक हंगामा करते रहे। स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 2 अगस्त 11 बजे तक स्थगित कर दी।

प्रदेश के कलाकारों की कलाकृतियों से सजी एग्जीबिशन

85 कलाकारों ने दिया अपना कलात्मक, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में डिस्प्ले किए आर्टवर्क

जयपुर. कासं। राजस्थान के कलाकारों के आर्ट पीस हर जगह छाए हुए हैं, आए दिन किसी न किसी बड़ी एग्जीबिशन में दिखाई भी देते हैं। हाल ही में तैयार हुए राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान ललित कला अकादमी की ओर से रंग मरुधरा नाम से एग्जीबिशन का आयोजन किया। इसमें राजस्थान के करीब 85 कलाकारों के आर्ट वर्क को डिस्प्ले किया गया है। इसमें पेंटिंग से लेकर मूर्तियों तक कई अलग-अलग तरह की कलाकृतियां हैं। राजस्थान ललित कला अकादमी की ओर से आयोजित यह एग्जीबिशन 31 जुलाई तक जारी रहेगी। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि राजस्थान जन अभाव निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर की ओर से किया गया। इनके साथ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के निदेशक एन. सी. गोयल और राजस्थान ललित कला अकादमी के अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास भी शामिल हुए। एग्जीबिशन ऑफिसर विनय शर्मा ने बताया कि इस प्रदर्शनी में करीब 130 कलाकृतियां हैं, जिसमें पेंटिंग, मूर्तियां, प्रिंट, वुड कट, लिथोग्राफी भी शामिल हैं। इसमें सभ्य हसंकाजी, हेमांगी गहलोत और अब्बास बाटलीवाला जैसे कई कलाकारों की पेंटिंग भी है जो वाकई में देखने लायक है।

14 मिनट में 4 कानून पास: विपक्ष वोटिंग में शामिल नहीं हुआ

प्रदेश के 4 लाख गिग वर्कर्स के लिए बिल पास, कल्याण बोर्ड भी बनेगा

जयपुर. कासं

राजस्थान विधानसभा में सोमवार को मात्र 14 मिनट में 4 कानून पास हो गए। एक-एक विधेयक पर 5 से 10 घंटे तक चर्चा का इतिहास रहा है, लेकिन सोमवार को ऐसा नहीं हुआ। बिल जैसे गंभीर मसले मात्र वोटिंग के माध्यम बन कर रह गए। वोटिंग में विपक्षी पार्टी भाजपा ने भाग ही नहीं लिया। सिर्फ सत्ता पक्ष के विधायकों की वोटिंग से चारों बिल पारित कर दिए। सबसे महत्वपूर्ण राजस्थान प्लेटफार्म आधारित गिग कर्मकार (रजिस्ट्रीकरण और कल्याण) बिल 2023, कोटा और उदयपुर विकास प्राधिकरण तथा गांधी वाटिका न्यास जयपुर विधेयक 2023 पारित किया गया।

गिग वर्कर्स का समूहक एक्ट उल्लंघन करेगा तो 5 से 50 लाख तक जुर्माना: गिग वर्कर्स का समूहक यदि पंजीकृत गिग वर्कर्स के लिए बने कानून का उल्लंघन करना है। यदि वो नियम पालना नहीं करता है तो राज्य सरकार उस पर पहली बार 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाएगी। यह राशि 50 लाख रुपए तक हो सकती है। गिग वर्कर्स कल्याण बोर्ड बनाया जाएगा, बोर्ड में सरकार द्वारा तय 2 गिग वर्कर्स को भी स्थान मिलेगा। समूह में काम करने वाले वर्कर्स इसमें शामिल होंगे, खासकर वह लोग जो परंपरागत ऑफिस जॉब नहीं करते। सभी गिग वर्कर्स का रजिस्ट्रेशन करवाना होगा, फीस बाद में तय की जाएगी। बोर्ड की बैठक 6 माह में एक बार करनी जरूरी होगी, सिविल सोसायटी के 2 लोग भी बोर्ड में रखे जाएंगे। इन प्रावधानों का मकसद गिग वर्कर्स के अधिकारों का संरक्षण करना है। गिग वर्कर्स की शिकायतों का समय पर निस्तारण किया जाएगा।

मानव जन्म सौभाग्यशाली लोगों को मिलता है खुद का कल्याण करना है तो दूसरों का ख्याल भी रखो: आचार्य सौरभ सागर

उप महापौर पुनीत कर्णावत, उमरावमल संघी, धर्मचंद पहाड़िया ने लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्म नगरी छोटी काशी के नाम से विख्यात जयपुर शहर के प्रताप नगर सेक्टर 8 दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में पंच दिवसीय श्री मज्जाजिनेन्द्र महाअर्चना सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजन के चौथे दिन प्रातः 8.30 बजे महोत्सव में सम्मिलित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य सौरभ सागर ने कहा कि ''सृष्टि के प्रत्येक प्राणी को मानव जन्म के महत्व को समझना चाहिए, उसके मूल्यों को समझना चाहिए और कर्तव्यों का पालन करना चाहिए किंतु आज का प्राणी मानव जन्म के महत्व को ना जानकर खुद के अहंकार में जी रहा है, स्वार्थ जैसे मूल्यों को धारण कर रहा है अपने मानव जन्म के महत्व को मिटा रहा है। जबकि प्राणी को यह समझना चाहिए की मानव जन्म सौभाग्यशाली लोगों को मिलता है, जिन्हे मानव जन्म मिला है उन्हे अपने आत्म कल्याण के मार्ग पर चलने के लिए दूसरे प्राणियों के ख्याल भी रखना चाहिए।'' आचार्य सौरभ सागर ने कहा की जन्म तो सभी का होता है पशु, पक्षी, प्राणी, वस्तु सभी का जन्म होता है किंतु जैनत्व में कहा गया है की आत्म कल्याण करने का मार्ग मानव जन्म में ही मिलता है, क्योंकि एक मात्र प्राणी है जो सब मार्गो का अनुसरण कर सकता है, इसलिए मानव जन्म को श्रेष्ठ जन्म बताया गया है, जिनको मानव जन्म का सुख मिलता है वह सौभाग्यशाली होते है, ऐसे सोभाग्यशालियों को आपने आत्म कल्याण के लिए दूसरों का कल्याण करना चाहिए और मानव जन्म के सुख की प्राप्ति करनी चाहिए। प्रचार संयोजक सुनील साखुनिया ने जानकारी देते हुए बताया की सोमवार को महोत्सव के चौथे दिन की शुरूवात प्रातः 6 बजे अनुष्ठान स्थल पर भगवान शांतिनाथ स्वामी के स्वर्ण एवं रजत कलशों से कालशाभिषेक कर हुई, जिसमें विभिन्न श्रावकों ने नियम पूर्वक श्रद्धा के मूल्यों को धारण कर श्रीजी का अभिषेक किया और विश्व में शांति की कामना के साथ आचार्य श्री के मुखारविंद शांतिधारा कर अर्घ चढ़ाए। जिसके पश्चात पंडित संदीप जैन के निर्देशन में श्रीजी के सम्मुख चित्र अनावरण, दीप प्रवज्जलन समाज श्रेष्ठियों द्वारा किया गया, इसके उपरांत भजन - भक्ति करते हुए जयकारों के साथ जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नेवेध, दीप, धूप, फल, अर्घ चढ़ा जयमाला महाअर्घ चढ़ाकर जिनेन्द्र प्रभु की भक्ति आराधना की और श्रद्धा के पुष्प समर्पित किए। इस दौरान जयपुर नगर निगम ग्रेटर उपमहापौर पुनीत कर्णावत, श्री महावीर शिक्षा परिषद अध्यक्ष उमरावमल संघी, तीर्थ क्षेत्र धर्म संरक्षणी संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी धर्मचंद पहाड़िया आदि सहित विभिन्न श्रेष्ठियों ने भाग लिया, वषायोग समिति गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वाले, आलोक जैन तिजारिया, अध्यक्ष कमलेश जैन, मंत्री महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष धर्मचंद जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत, सम्मान माला, साफा पहनाकर किया। इस अवसर पर मानसरोवर, सांगानेर, बापू नगर, जोहरी बाजार, किशनपोल, वैशाली नगर, विद्याधर नगर, बनीपार्क एवं भरतपुर, दिल्ली, यूपी, हरियाणा आदि स्थलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित हुए।

आज (मंगलवार को) विश्व शांति महायज्ञ के साथ संपन्न होगा पंच दिवसीय महाअर्चना महोत्सव

मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या ने बताया मंगलवार को पंच दिवसीय श्री मज्जाजिनेन्द्र महाअर्चना महोत्सव का समापन होगा। अंतिम दिन प्रातः 6.15 बजे श्रीजी का कलशाभिषेक, शांतिधारा होगी, 7.30 बजे विधान पूजन, प्रातः 8.30 आचार्य सौरभ सागर महाराज के मंगल प्रवचन होने के पश्चात प्रातः 10.15 बजे विश्व शांति महायज्ञ प्रारंभ होगा, इसके बाद महोत्सव विसर्जन होगा और इसी दौरान अतिथियों व श्रेष्ठियों का आभार कार्यक्रम संपन्न होगा। मंगलवार को महोत्सव के मुख्य अतिथि केलशचंद, माणकचंद, रमेश चंद ठोलिया परिवार, विशिष्ठ अतिथि सुनील बक्शी, महेश काला, अशोक जैन 'नेता' सहित कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव संजय बापना, संयुक्त अभिभावक संघ प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल और अभिषेक जैन बिट्टू सहित विभिन्न समाजसेवी सम्मिलित होगे और आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त करेगे।

दिगंबर जैन आम समाज संगठन एवं आईकॉन एजुकेशन सोसायटी द्वारा छात्रवृत्ति वितरित की गई

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। आर्थिक दृष्टि से कमजोर दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन जरूरतमंद परिवार के बच्चों को दिगंबर जैन आम समाज संगठन (श्री इंदर वीणा सेठी) एवं आईकॉन एजुकेशन सोसाइटी (अक्षय कांतिलाल बम) द्वारा संयुक्त रूप से शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत रविवार को मोदी जी की नसिया बड़ा गणपति पर परम पूज्य आचार्य विहर्षसागर जी महाराज ससंघ एवं मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज, श्री कमल मुनि जी महाराज ससंघ के सानिध्य में कक्षा केजी से लेकर कॉलेज मैं हायर एजुकेशन लेने वाले 600 से अधिक विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों एवं दि० एवं श्वेतांबर जैन समाज के अति विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति में लगभग 28 लाख रुपए की सहायता राशि उनके स्कूल कॉलेज के नाम चेक द्वारा वितरित की गई। इस अवसर पर उपस्थित आचार्य श्री सहित सभी मुनि भगवंतों ने योजना की सराहना करते हुए आयोजकों को बधाई एवं लाभान्वित बच्चों को आशीर्वाद दिया। आचार्य विहर्षसागर जी महाराज ने इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए सभी से आव्हान किया कि दिगंबर एवं श्वेतांबर का भेद मिटाकर समाज एकता के साथ हिल मिल कर रहें। आज एकता की आवश्यकता है संतवाद पंथवाद की नहीं। आपने विद्यार्थी गणो को भी धर्म की राह पर चलते हुए पढ़ लिख कर अपने अंदर कुछ बनने का जुनून पैदा करें और मन लगाकर पढ़ते हुए सफलता प्राप्त करने के साथ समाज एवं परिवार का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। आचार्य श्री ने आयोजकों को यह प्रेरणा भी दी कि जिन बच्चों में जो प्रतिभा है उस अनुरूप उनके शिक्षण प्रशिक्षण की निशुल्क व्यवस्था भी की जाए ताकि वे प्रशिक्षित होकर अपना रोजगार स्थापित कर अपने पैरों पर खड़े हो सकें। आचार्यश्री सहित सभी मुनि भगवंतों ने समाज जनों को यह संकल्प भी दिलाया कि वह अब हमेशा अपने नाम के साथ जैन अनिवार्य रूप से लिखेंगे गोत्र और सरनेम नहीं ताकि जनगणना होने पर शासन के रिकॉर्ड में जैनों की सही जनसंख्या दर्ज हो सके। अक्षय बम ने भी समारोह को संबोधित किया। प्रारंभ में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन अशोक मेहता, नरेंद्र वेद, डी के जैन, नकुल पाटोदी, ने किया। आईकॉन सोसाइटी के प्रमुख कांतिलाल बम ने संस्था की कार्यप्रणाली और गतिविधियों की जानकारी दी। समारोह में पूर्व कुलपति डॉक्टर नरेंद्र धाकड़, निर्मल कासलीवाल, इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ जैन फोरम के अशोक मेहता, प्रकाश भटेवरा, आशीष मेहता, डॉक्टर जैनेंद्र जैन आदि विशिष्ट जन उपस्थित थे। संचालन चिराग जैन ने किया एवं आभार इंदर सेठी ने माना।

श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन पर मंत्री लालचंद कटारिया सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली को पौधा भेंट कर किया स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश में राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन को लेकर जैन समाज में भारी उत्साह है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं संगठनों के पदाधिकारी गहलोत सरकार को इसके लिए साधुवाद दे रहे हैं। इसी कड़ी में आज कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली को इस पुनीत कार्य में उनके सहयोग के लिए जोबनेर नगर पालिका की चेयरमैन मंजू सिंघी के नेतृत्व में जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा परिसर में पौधा भेंटकर एवं माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर किशनपोल विधायक अमीन कागदी एवं जमवारामगढ़ विधायक गोपाल मीणा भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधि मंडल में जय कुमार जैन- बड़जात्या, सुरेंद्र सिंघी सहित विधान सभा के नरेश कासलीवाल, कमलेश जैन, रवि जैन, अनिता जैन, शीला जैन, लोकेश जैन, सौरभ जैन इत्यादि शामिल रहे।

वेद ज्ञान

जीवन और संस्कृति का अधार सत्य है

चरित्र मानव को देवता बनाता है। महान कार्य करने वाली चरित्र से युक्त रचनाएं सृष्टि को प्रभावित करने के कारण कालजयी बनती हैं। इन रचनाओं के चरित्र न केवल विश्व को प्रभावित करते हैं, बल्कि उन्हें नई दिशाओं में मोड़ते हैं। जीवन-चरित्र से राष्ट्र और समाज की सेवा करने की प्रेरणा मिलती है। प्रेरणा असंभव को संभव बनाकर अभाव में भाव भरती है। मन-वाणी और कर्म में एक ही भाव रखने वाले महात्मा होते हैं। जीवन और संस्कृति का आधार संस्कार और सत्य है। भारत में सत्य का प्रथम सफल उदाहरण सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के जीवन में मिलता है। उन्होंने जो सत्य जिया, उसका संदर्भ आज भी उतना ही प्रासंगिक है। निष्काम कर्म कीर्तिवान बनाता है। सत्य के प्रति निष्ठा और सत्यव्रत के प्रति अनुराग इतिहास का एक अध्याय बनाता है। त्याग और सेवा का भाव राष्ट्रीय आदर्श उत्पन्न करता है। श्रेष्ठ कार्य करने के लिए संपूर्ण जीवन को समर्पित करना पड़ता है। अपार कष्ट सहने के बाद महानता मिलती है। हार न मानने वालों का जीवन सफलता के सूत्र का दर्शन कराता है। सत्य जीवन का मूल्य और आधार है। सत्य नित्य है। यह सबसे बड़ा मौलिक सद्गुण है। देवभूमि भारत पर संसार के सर्वश्रेष्ठ ऋषियों की चरण रज पड़ी। यहीं से हमारी सभ्यता-संस्कृति का जन्म और पोषण हुआ। सत्य में एक ऐसी अलौकिक मोहिनी शक्ति है जो मूक से मूक प्राणी को भी मुग्ध कर लेती है। जो प्राणी जितना ही अधिक संवेदनशील होता है, सत्य के प्रति भावनात्मक लगाव उतना ही अधिक होता है। सत्य बोलना सहस्त्र अश्वमेघ यज्ञ से बढ़कर है। बारह वर्ष तक सत्य बोलने से वाक्सिद्धि मिल जाती है। देवत्व के कारण ही आज सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र जाने जाते हैं। दूसरों के लिए वे आदर्श बन गए हैं। देवदुर्लभ मानव शरीर में देवत्व की समस्त शक्तियां और सामर्थ्य हैं। देवता और दानव के बाह्य शरीर में कोई अंतर नहीं है। दोनों के अंग-प्रत्यंग एक जैसे हैं, पर हमारी आंतरिक भावनाएं, सद्गुण, सात्विकता, सत्य और पवित्रता ही हमें देवत्व की ओर अग्रसर करती हैं।

संपादकीय

बहुत चिंता का विषय है प्रतिभाओं का पलायन

जब व्यक्तिगत सुविधाओं, रोजी-रोजगार और बेहतर जीवन जीने की लालसा में किसी देश के लोग नागरिकता छोड़ कर दूसरे देशों में जाकर बसने लगें, तो यह निश्चित रूप से उस देश के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। प्रतिभा पलायन को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। कुछ साल पहले तक युवाओं को भावनात्मक रूप से प्रेरित करने का प्रयास किया जाता रहा कि जिस देश ने उनकी पढ़ाई-लिखाई पर इतना खर्च किया है, जब सेवा देने का समय आए तो उस देश को छोड़ कर अपनी प्रतिभा का योगदान किसी और देश में देना नैतिक रूप से सही नहीं होगा। मगर इस प्रेरणा का कोई असर नहीं हुआ। उत्तरोत्तर प्रतिभा पलायन बढ़ता गया। अब स्थिति यह है कि जिनके भारत में जमे-जमाए कारोबार हैं, उनमें भी अपनी नागरिकता त्याग कर दूसरे देशों में जाकर बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। खुद केंद्र सरकार ने संसद में एक सवाल के जवाब में बताया है कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में हर दिन लगभग चार सौ उनतालीस भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ी है। सबसे अधिक पिछले साल सवा दो लाख से ऊपर लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी। ये लोग एक सौ पैंतीस देशों में गए हैं, जिनमें पाकिस्तान और सऊदी अरब भी शामिल हैं। आमतौर पर दूसरे देशों में जाकर बसने का प्रमुख कारण रोजी-रोजगार होता है। भारत में हर साल लाखों युवा इंजीनियरिंग, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा हासिल करके रोजगार की तलाश में निकलते हैं, मगर उनमें से चालीस फीसद को भी उनकी इच्छा और क्षमता के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पाता। ऐसे में वे दूसरे देशों का रुख करते हैं। इसके अलावा बहुत सारे युवा इसलिए भी दूसरे देशों का रुख करते हैं कि यहां उन्हें उनके काम के अनुरूप पैसा नहीं मिल पाता। कई विकसित देशों की तुलना में यहां वेतन, भत्ते और काम करने की स्थितियां बहुत खराब हैं। इसलिए भी वे मौका मिलते ही दूसरे देशों में चले जाते और फिर यहां की नागरिकता छोड़ देते हैं। बहुत सारे युवा विदेशों में पढ़ने जाते हैं और फिर वहीं की नागरिकता हासिल कर लेते हैं। मगर पिछले कुछ वर्षों में ऐसे भी अनेक लोगों ने यहां की नागरिकता त्याग दी, जिनके यहां अपने कारोबार थे और उन्हें समेट कर वे दूसरे किसी देश में चले गए। यानी उन्हें यहां कारोबार की स्थितियां अनुकूल नहीं लगीं। इसके अलावा कई लोग असुरक्षाबोध के चलते भी कहीं और जा बसे। जनसंख्या के आधार पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश बन चुका है। ऐसे में माना जा रहा है कि इसे जनसांख्यिकीय लाभांश दूसरे देशों की अपेक्षा अधिक मिलेगा और अर्थव्यवस्था में तेजी से विकास होगा। इसी के मद्देनजर सरकार ने कौशल विकास संबंधी कार्यक्रम चलाए हैं, अपने रोजगार शुरू करने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

श्रीलंका संकट

पिछले साल श्रीलंका में जिस पैमाने पर आर्थिक संकट पैदा हुआ और व्यापक अराजकता का माहौल बना, उसकी वजह से वहां के तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को अपनी सत्ता छोड़नी पड़ी थी। उस दौरान हालात इस कदर हिंसक और जटिल हो गए थे कि उन्हें संभालना मुश्किल लग रहा था। मगर गोटबाया के सत्ता छोड़ने के बाद रानिल विक्रमसिंघे ने राष्ट्रपति का पद संभाला और तब उनके सामने सबसे बड़ी और प्राथमिक चुनौती यही थी कि वे देश को कैसे उस जटिल हालात से बाहर लाएं। इसी क्रम में विक्रमसिंघे ने जो प्रयास शुरू किए, उसकी वजह से वहां हालात बेहतर हुए, लेकिन संकट के दीर्घकालिक हल के लिए ठोस नीतिगत पहल की जरूरत थी। शायद यही वजह है कि भारत के दो दिनों के अपने ताजा दौरे में उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को नए सिरे से मजबूत करने और सहयोग को नया आयाम देने के स्पष्ट संकेत दिए। गौरतलब है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री की मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच आर्थिक गठजोड़ को विस्तार देने के लिए एक महत्त्वाकांक्षी दृष्टिपत्र अपनाने पर सहमति बनी। फिलहाल एक आर्थिक और प्रौद्योगिकी करार पर बातचीत शुरू करने, विद्युत ग्रिड को जोड़ने का काम तेज करने, एक पेट्रोलियम पाइपलाइन की व्यावहारिकता पर अध्ययन करने के साथ-साथ दोनों पड़ोसी देशों के बीच संपर्क को मजबूत करने के लिए अन्य रास्तों पर ठोस कदम बढ़ाने की कोशिश होगी। निश्चित रूप से यह श्रीलंका की समस्याओं का कोई समग्र हल नहीं है, लेकिन यह कहा जा सकता है कि भारत के साथ सहयोग की दिशा में बढ़े उसके कदम नई राह तलाशने की इच्छाशक्ति का संकेत देते हैं। वहीं, सहयोग के कई जरूरी बिंदुओं पर बात आगे बढ़ाने के साथ-साथ भारत ने श्रीलंका में तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा करने और समानता, न्याय और शांति के लिए पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ाने का भरोसा जताया। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका का झुकाव चीन की ओर रहा और खासकर आर्थिक मामलों में उस पर निर्भरता रही। चीन ने पिछले दशक के दौरान श्रीलंका को भारी मात्रा में ऋण दिया और एक तरह से उसकी स्वनिर्भरता के पक्ष को कमजोर किया। इसका सबूत तब दिखा, जब पिछले साल श्रीलंका अपने सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, तब चीन ने उसकी सहायता करना जरूरी नहीं समझा। कहा जा सकता है कि शायद तभी श्रीलंका को वास्तविकता का अहसास हुआ। अब रानिल विक्रमसिंघे के भारत दौरे में साझेदारी को नया आयाम देने के लिए जिन मुद्दों पर सहयोग को बढ़ाने और मजबूत करने पर सहमति बनी है, उससे श्रीलंका को लाभ होगा, लेकिन यह भारत के लिहाज से भी कई स्तरों पर सकारात्मक स्थिति है। यों भी बीते कुछ वर्षों में भारत 'पड़ोस प्रथम' की नीति पर ठोस तरीके से काम कर रहा है। फिर कूटनीति के मोर्चे पर देखा जाए तो भारत और श्रीलंका, दोनों ही एक दूसरे के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। साथ ही सामरिक और व्यापारिक दृष्टि से भी हिंद महासागर भारत के लिए एक संवेदनशील क्षेत्र है। इस लिहाज से भारत के लिए श्रीलंका की अहमियत समझी जा सकती है। इसलिए अगर दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती देने के लिए ठोस नीतिगत रास्ते तैयार होते हैं, तो इससे एक ओर जहां श्रीलंका के लिए फिर से संभलने का रास्ता तैयार होगा, वहीं भारत का भी सुरक्षा घेरा और मजबूत होगा।

जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर जयपुर का होटल एलेट ग्रीन पार्क मे नमोकार महामंत्र के जाप के बाद शपथग्रहण समारोह आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल ने बताया कि शपथग्रहण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेन्द्र कुमार कासलीवाल एंव श्रीमती सुलोचना कासलीवाल रहे। नॉर्दन रीजन के जॉइंट सेक्रेटरी डॉ राजीव जैन एंव इंटरनेशनल डायरेक्टर मनीष झाझंरी ने कार्यक्रम मे नई कार्यकारिणी 2023/25 को शपथ दिलवाई। मंत्री डा. सुरेश सोनी ने पधारे हुए अतिथियो का तिलक माला एंव साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम मे निवर्तमान अध्यक्ष विनोद जैन एंव निवर्तमान मंत्री सोभाग मल जैन, पूर्व अध्यक्ष भाग चंद जैन भी उपस्थिति रहे ।कार्यक्रम के सयोजक मुकेश जैन एंव सुनील जैन ने बताया कि कार्यक्रम मे श्रीमती पिंकी कासलीवाल एंव श्रीमती ज्ञान मती जैन ने सभी सदस्यों को हाऊजी एंव बहुत ही सुंदर गेम अंताक्षरी खिलाकर काफी मनोरंजन कराया एंव कार्यक्रम मे चार चांद लगा दिये। कार्यक्रम के आखिरी मे अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल ने पधारे हुए सभी अतिथियो एंव सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

परम पूज्य स्वेतपिच्छाचार्य विद्यानंद जी मुनिराज के मुनि दीक्षा के 60 वर्ष पूर्ण होने पर (25 जुलाई) विशेष

शाबाश इंडिया। अनेक महापुरुषों पर संकट आये हैं। भगवान आदिनाथ को भी अशुभ कर्मों ने नहीं छोड़ा और 6 महीने तक आहार की विधि नहीं मिली। अभी कुछ समय पहले ही दिगम्बर साधु समुदाय पर सरकार की ओर से मयूर पंख पर प्रतिबन्ध लगाने की बात को लेकर समाज में चिंता व्याप्त हो गई थी, क्योंकि आदिकाल से दिगम्बर साधु की मुद्रा मयूर पिच्छि एवं कमण्डलु ही है। जब 2 मई, 2010 में दिगम्बर जैन साधुओं पर संकट आया। सरकार ने मयूर पंख पर प्रतिबन्ध लगाने का अध्यादेश प्रसारित किया, जिस कारण जैन समाज में हड़कम्प मच गया, क्योंकि मयूर पिच्छि तो जैन साधुओं का प्रतीक चिह्न है। ध्यातव्य है कि आचार्यश्री ने मयूर पंखों के प्रतिबंध वाले अध्यादेश के विरोध में भारत सरकार के

तत्कालीन प्रधान मंत्री तथा सम्बन्धित मन्त्रियों को पत्र लिखवा कर और पत्रों के साथ आगमों के अनेक प्रमाण, पुरातत्त्वों से प्राप्त अनेक चित्र आदि प्रामाणिक सामग्री भेजकर यह सिद्ध किया कि यह मयूर पंख धार्मिक चिह्न के रूप में मान्य हैं। अतः इस पर से प्रतिबंध हटाना ही उपयुक्त है। यद्यपि कीसी भी धार्मिक चिह्न पर प्रतिबन्ध लगाना असंवैधानिक है। सरकार ने इसको स्वीकार किया और प्रतिबंध वापस ले लिया। मयूर पंख पर प्रतिबंध की सूचना विदेशों में रहने वाले जैन भक्तों को भी मिली, उन्होंने तत्काल वहाँ से श्वेत मयूर पंख भारत भिजवाये और उनसे निर्मित एक श्वेतपिच्छी तैयार की गई। उनको श्वेत पिच्छी भेंट की गई और पूज्य उपाध्याय श्री प्रज्ञसागर जी ने कहा कि अब आचार्यश्री जी का नाम श्वेतपिच्छाचार्य होगा। उपस्थित समुदाय ने उसकी अनुमोदना करते हुए श्वेतपिच्छाचार्य के अलंकरण के साथ जयघोष का उच्चारण किया। अब से आचार्यश्री जी का विरूद हुआ श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द मुनिराज।

पदम जैन बिलाला

अध्यक्षः श्री दिगम्बर जैन मन्दिर

सन्मति ग्रुप का "आया सावन झूम के फैमली फन डे" कार्यक्रम संपन्न

सदस्यों ने लिया स्विमिंग, रेन डांस का आनंद लिया। अंताक्षरी में बरसात टीम रही विजेता

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का ''आया सावन झूम के फैमली फन डे'' कार्यक्रम आज रविवार, 23 जुलाई को जामडोली स्थित Hill Side Resort पर आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राकेश -समता गोदिका ने बताया कि कार्यक्रम समन्वयक प्रदीप - प्राची जैन, चेतन - डॉक्टर अनामिका पापड़ीवाल तथा डॉक्टर अनुपम - विनीता जैन व नितेश - मीनू पांड्या सयोजक ने मनोरंजक अंताक्षरी करवाई जिसके जज विनीता जैन व समता गोदिका थी। अंताक्षरी में बरसात टीम विजेता रही। कार्यक्रम में महिला सदस्य सावन को देखते हुए कलरफुल लहरिया के परिधान में उपस्थित होकर बरसात की फुहारों के बीच स्विमिंग, रेन डांस का आनंद लिया। सभी ने सायकाल स्वादिष्ट भोजन के पश्चात चक्रेश जैन ने आकर्षक सावन पर आधारित हाऊजी खिलाई।

सुजानगढ़: शांति के लिए समन्वय जरूरी है, सहयोग नहीं- प्रो. सोढी

भारतीय दार्शनिक दिवस पर पर आयोजित समारोह में स्थाई शांति पर विचार

शरद जैन सुधांशु. शाबाश इंडिया

लाडनूं। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनवाईडी) चंडीगढ के लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. इन्द्रजीत सिंह सोढी ने कहा है कि शांति को केवल युद्ध की रोकथाम के रूप में ही नहीं होती है, बल्कि शांति उससे आगे होती है और वह है मन की शांति, तनाव मुक्त जीवन। हम जितना ज्यादा फैलाव देश की सीमाओं का या आर्थिक क्षेत्र में करते हैं, उतनी ही शांति को भंग करते हैं। वे यहां जैन विश्वभारती संस्थान के महाप्रज्ञ ऑडिटोरियम में भारतीय दार्शनिक दिवस समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ज्ञान का केन्द्र रहा है। यहां तक्षशिला, नालन्दा जैसे विश्वविद्यालय रहे हैं, जिनसे दुनिया भर के विद्वानों ने ज्ञान प्राप्त किया। भारत में ज्ञान की पुस्तकें बहुत थी, जो संस्कृत आदि भाषाओं में थी और उनका अनुवाद अनेक अन्य भाषाओं में किया गया। कोरोना ने परे विश्व की शांति को हिला दिया था, अमेरिका जैसे स्वास्थ्य का नारा देने वाले देश विफल हो गए, लेकिन भारत ने अपनी सार्थकता को सिद्ध किया। विशाल जनसंख्या में बावजूद भारत ने सबको पीछे छोड़ा, यह हमारे ज्ञान के कारण ही है। यहां संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में इंडियन कौंसिल आफ फिलॉसोफिकल रिसर्च (आईसीपीआर) के सहयोग से ह्रस्थायी शांति के लिए दार्शनिक साधनों की तलाशह्न विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि कोरोना से कुछ देशों को मिल कर चलने का संदेश दिया, जो अब तक उनके समझ में नहीं आ रहा था।

प्रकृति से छेड़छाड़ से होती है शांति भंग

प्रो. सोढी ने टेक्नोलोजी, साईबर क्राईम, पर्यावरण आदि की स्थितियों को लेकर शांति की अवस्था और विश्व शांति दिवस के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन और शांति एक दूसरे के पूरक हैं। जलजला या भूकम्प आने का कारण प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का नतीजा है। इससे जन समुदाय की शांति भंग होती है। हम प्रकृति की शांति को भंग करते हैं, तो प्रकृति उसका परिणाम भी हमें देती है। उन्होंने सहयोग और समन्वय को परिभाषित करते हुए कहा कि शांति के लिए समन्वय जरूरी है, केवल सहयोग नहीं। भारतीय ऋषियों ने समन्वय पर जोर दिया था, लेकिन हम सहयोग कर देते हैं, पर समन्वय नहीं कर पाते। शांति के लिए अनुशासन भी जरूरी है। केवल अपने हिसाब से जीना कभी शांति नहीं ला सकता। धर्म का मतलब शांति से रहना, सहयोग से रहना और परस्पर सामंजस्य से रहना होता है। लेकिन, आज लोग धर्म के लिए लड़ते हैं, जो गलत है। दर्शन विवेकपूर्वक व ज्ञान पूर्वक बात बताने को कहते हैं। दर्शन से समझा और समझाया जा सकता है। भारत ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की अवधारणा वाला देश है और सह अस्तित्व ही शांति का प्रेरक होता है।

आखिर शांति की पहचान क्या है...

मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन कौंसिल ऑफ फिलोसोफिकल रिसर्च (आईसीपीआर) के पूर्व सचिव एवं सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एसआर व्यास ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब सभी लोग शांति की बात करते हैं, फिर भी शांति नहीं आती, तो सोचने की बात है कि आखिर शांति क्या है। सभी देश, सभी धर्म, संत-महात्मा, अनुयायी, संगठन आदि सब शांति के लिए प्रयास करते हैं, लेकिन हम शांति को पहचानते ही नहीं और जिसे हम पहचान नहीं पाते उसकी तलाश मुश्किल होती है। शांति के लिए ही सारी अशांति फैली हुई है। उन्होंने सार्वजनिक शांति या सामुहिक शांति को कोरी कल्पना बताई और कहा कि शांति केवल वैयक्तिक ही हो सकती है। शांति को कहीं बाहर से नहीं खरीदा जा सकता। शांति हमेशा अंदर से होती है। शांति

रचनात्मक होती है। उसका निर्माण जितने समय तक और जितने प्रतिशत तक हम कर पाते हैं, उतना ही गुस्सा, ईर्ष्या, लालच आदि नियंत्रण में रहते हैं। उन्होंने कहा कि साधु-संत आदि शांति नहीं दे सकते, वे केवल प्रेरक होते हैं। हम दूसरों को प्रेरक मान सकते हैं, लेकिन प्रयत्न हमें खुद को ही करने होंगे।

आत्मनिर्भरता से शांति नहीं मिल सकती

जैविभा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर दुगड़ न कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अधिकतम युद्ध धर्म के नाम पर लड़े गए, लेकिन शांति का मार्ग भी धर्म ही दिखाता है। यह देखने वाले पर निर्भर करता है कि वह कौन सा मार्ग देखता है। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भरता या स्वावलम्बन से शांति खंडित हो रही है। इसलिए अन्तर्निर्भर बनना जरूरी हो गया है। हमें एक-दूसरे के प्रति सहयोग की भावना को बढाना होगा। परस्पर सहयोग बढाने से शांति कायम हो सकती है। उन्होंने अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण को भी जरूरी बताया और कहा कि हमारी इच्छाएं जितनी कम होंगी, उतने ही परिमाण में शांति बढती जाएगी। कार्यक्रम का प्रारम्भ मुमुक्षु बहिनों द्वारा मंगलगान करके किया गया। अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन प्रारम्भ में संयोजक डा. लिपि जैन ने किया। अंत में आभार ज्ञापन डा. बलवीर सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रो. नलिन के. शास्त्री, प्रो. बीएल जैन, प्रो. जिनेंद्र जैन, विनीत सुराणा, प्रो. आनन्द त्रिपाठी, आरके जैन, डा. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, प्रो. रेखा तिवाड़ी, डा. अमिता जैन, डा. मनीष भटनागर, डा. प्रगति भटनागर, डा. गिरधारीलाल शर्मा, दीपाराम खोजा, पंकज भटनागर, डा. सरोज राय, डा. आभा सिंह, समस्त संकाय सदस्य, मुमुक्षु बहिनें, विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।

रॉयल ब्यावर द्वारा छाता वितरण

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। शहर की सेवा कार्य मे अग्रणी संस्था महावीर इन्टरनेशल रॉयल ब्यावर द्वारा महावीर बाजार में धूप एवं बारिश से बचाव हेतु सब्जी की रेहड़ी वाले को छाता (कैनोपी) का वितरण किया गया। नवलेश बुरड़ ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा महावीर इंटरनेशनल केंद्रों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को धूप एवं बारिश से बचने के लिए छाता (केनोपी) प्रदान किये जा रहे हैं। उसी के तहत रॉयल केंद्र के माध्यम से आज छाता प्रदान किया गया। केंद्र के प्रदीप मकाना ने अपेक्स के प्रति आभार ज्ञापित किया और कहा कि महावीर बाजार में सब्जी की रेहड़ी लगाने वाले रजाक को मुख्य बाजार में स्थित उनके विक्रय स्थान पर लगाया गया है, जिसका वह अपने स्तर पर पूर्ण रूप से ध्यान रखेगा। इस अवसर पर अशोक पालडेचा, रूपेश कोठारी, अभिषेक नाहटा, पुष्पेन्द्र चौधरी, जितेन्द्र धारीवाल, वीर प्रदीप मकाना, नवलेश बुरड़, अमित बाबेल, दिलीप दक, राहुल बाबेल, मंजू बाफना, ज्ञानचंद कोठारी सहित गणमान्य नागरिकों एवं संस्था सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

राज्य जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड गठित करने पर फागी जैन समाज ने बांटी मिठाई

विभिन्न मुनि, आर्यिकाओं संघो के सुझावों सहित सकल जैन समाज के प्रयासों से हुआ गठन

फागी. शाबाश इंडिया

राजस्थान सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा राज्य जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड गठित करने पर सकल जैन समाज फागी सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा,चौरु, नारेड़ा,मंडावरी, मेहंदवास निमेड़ा रेनवाल माधोराजपुरा चित्तौड़ा पीपला एवं लदाना के सारे सकल जैन समाज ने मुख्यमंत्री अशोक जी गहलोत का कोटी कोटी आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया है। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि राज्य जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड गठित करने से समाज के साधु संतों की सुरक्षा सहित समाज हित की अनेक समस्याओं का निदान हो सकेगा। उक्त कार्यक्रम में समाज सेवी सोहन लाल झंडा,केलास कलवाडा, मोहनलाल झंडा, केलास कासलीवाल अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद जैन, पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, विनोद कलवाडा, सुरेंद्र बावड़ी, विमल कुमार कलवाड़ा चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष अनिल कठमाना, कमलेश मंडावरा,कमलेश चोधरी, मितेश लदाना, त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबु गोधा सहित पूरी चातुर्मास कमेटी, एवं सारे समाज ने

शुभकामनाएं प्रेषित कर धन्यवाद दिया है, पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री महोदय ने गंभीरता का परिचय देते हुए राजस्थान जैन धर्म के संरक्षण के प्रति जो संवेधानिक कदम उठाया है वह सराहनीय है ओर इस कदम से राजस्थान भारत का पहला राज्य बन गया है उन्होंने बताया कि उक्त गठन से राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित आदेश होंगे लाभकारी...

1. जैन धर्म श्रमण परम्पराओ के संबंध में राज्य सरकार को सुझाव देना।
2. जैन समुदाय के लोगो के कल्याण हेतु इस समाज के लिए विभिन्न योजनाएं प्रस्तावित करने एवं उनके प्रचार प्रसार के सम्बंध में राज्य सरकार को सुझाव देना।
3. जैन समुदाय पर आधारित पुरातात्विक धरोहरों एवं मन्दिरो का संरक्षण एवं नव निर्माण के सम्बंध में राज्य सरकार को सुझाव देना।

प्रार्थना के साथ प्रयत्न भी जरुरी : गुरु मां विज्ञाश्री माताजी

गुंशी, निवाई. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का 29 वां साधनामय चातुर्मास 2023 श्री दिगंबर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में हो रहा है। पूज्य माताजी के मुखारविंद से आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य संजय चाकसू वंश के जन्मदिन के उपलक्ष्य में , सतीशचंद प्रोफेसर जयपुर, सत्यनारायण चाकसू वालों ने प्राप्त किया। दूर-दूर से लोगों ने आकर प्रभु भक्ति में भाग लिया। तत्पश्चात गुरु माँ ने प्रवचन देते हुए कहा कि-प्रार्थना के साथ साथ प्रयत्न भी जरूरी है। भगवान से प्रार्थना करने वाला प्रयत्न शून्य हो जाये तो कार्य सिद्धि असंभव है। महावीर स्वामी जैसे महापुरुष किसी स्कूल कॉलेज या यूनिवर्सिटी में नहीं गये। उन्होंने ज्ञान प्राप्ति हेतु सिर्फ प्रार्थना नहीं कि अपितु प्रयत्न भी किया। आज सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ के ट्रस्टी गणों ने मिलकर गुरु मां के चातुर्मास संबंधी व्यवस्था बनाने हेतु मीटिंग कर धर्म ध्वजा को फहराने का संकल्प किया एवं चातुर्मासथंसमिति का गठन किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री सेठ जी महाराज का झूला उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री श्याम रसोई चैरिटेबल ट्रस्ट ने श्याम बाबा का झूला उत्सव गांधी पथ पर बड़े धूमधाम से मनाया। संस्थापक अध्यक्ष धर्म प्रचारक कुमार गिरिराज शरण ने बताया कि झूला महोत्सव में सेठ जी का भव्य श्रृंगार किया गया , झूले में बिराजे प्रभु श्याम को रंग बिरंगी लाइट से आकर्षक बनाया गया कि ऐसा लग रहा था कि साक्षात श्याम प्रभु हमें दर्शन दे रहे हैं। श्याम बाबा की छप्पन भोग की झांकी सजाई गई । भारी संख्या में उपस्थित जनसमूह बार-बार श्याम बाबा के जयकारे कर रहा था। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक श्री श्री 1008 बालमुकुंद आचार्य महाराज के सानिध्य में झूला उत्सव मनाया गया । कार्यक्रम में जयपुर के सुप्रसिद्ध श्याम भजन गायक चंद्रशेखर लहरी, उमा लहरी, रजनी राजस्थानी, गोपाल सेन, राजेश गोयल, मनोज सेन, मनोज पारीक, मनोज शर्मा, महेश परमार पूजा सैनी दीपिका बलोचा और गिरिराज शरण ने श्याम प्रभु के गीत और झूला गाकर भगवान श्याम प्रभु को रिझाया ।

धर्म की रक्षा के लिए जन्म लेते हैं अवतारी पुरुषः श्रीगिरिराज शास्त्री

धूमधाम से मना नंदोत्सव,लूटी खुशियों की उछाल

जयपुर. शाबाश इंडिया। अधिक मास के अवसर पर श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति व श्री पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंडल,जयपुर के बैनर तले मोहनबाड़ी स्थित श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में श्री गोवर्धन नाथ जी प्रभु व मथुराधीश स्वामी प्रभु के मनोरथों के दर्शन व 56 भोग महामहोत्सव के तहत आयोजित श्रीमद भागवत कथा में सोमवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव नंदोत्सव का उल्लास छाया। इस मौके पर खचाखच भरे पांडाल में बैठे श्रद्धालुओं ने जन्म कृष्ण कन्हैया,सबको बहुत बधाई....यशोदा मां के हुए लाल,बधाई सब मिल गाओ..नंद के आनंद भयो,जय कन्हैया लाल ...जैसे बधाई गीतों के बीच भक्तों खिलौने,मेवे व फल की उछाल लूटी। इस दौरान कार्यक्रम में बैठा श्रद्धालुओं का समूह कान्हा के जन्म की खुशियां मनाता नजर आया। चप्पा-चप्पा कान्हा के जन्म की खुशियां मनाता नजर आया। इस मौके पर बड़ोदरा निवासी श्रीगिरिराज शास्त्री ने व्यास पीठ से कहा कि प्रभु चरित्रों का श्रवण करने से प्रभु की कृपा अवश्य प्राप्त होती है। प्रभु के चरण कमल का स्मरण करने से सारे कष्ट नष्ट हो जाते है ।जब प्रभु ने संसार में जन्म लिया,तब चारों ओर खुशियां छा गई, खुशी में लोग झूम रहे थे और कह रहे थे कि हमें पालने वाला आ गया। प्रभु की हर इच्छा व लीला को प्रसन्नता से स्वीकर करने वाला ही परम भक्त होता है। उन्होंने आगे कहा कि जब जीव ईश्वर तक पहुंचने में असमर्थ हो जाता है,तब ईश्वर ही जीव के स्तर पर उतरकर लौकिक लीलाएं करता है।

श्रीराम कथा में उमड़े श्रद्धालू

बगड़. शाबाश इंडिया। श्री चावो वीरो मंदिर के सामने मेहता परिवार की और से चल रही श्रीराम कथा में दूसरे दिन विभिन्न प्रसंगो का वर्णन किया गया। कथा वाचक राजेश शास्त्री ने माता सती द्वारा भगवान श्रीराम की परीक्षा लेने, माता सती के शरीर त्यागने, पार्वती जन्म सहित अन्य प्रसंग सुनाये। उन्होंने कहा की भगवान राम का नाम बड़ा है। उनका नाम जपने से सब दुख दूर होजाते है।। राम कथा अमृत के सामान है। रविवार को कथा के शुभारंभ से पूर्व शहर में भव्य कलश यात्रा निकाली गयी जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई कथा स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा में भगवान राम के दरबार की सुन्दर झांकियां सजाई गई थी जिन पर यात्रा के दौरान जगह- जगह पुष्प वर्षा की गई ।कथा में बगड़ नगरपालिका चेयरमैन गोविन्द सिंह राठौड़, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश शर्मा, बगड़ भाजपा नगर मण्डल महामंत्री नरेश शर्मा, गोपाल स्वामी ,पूर्व प्राचार्य लक्ष्मण सिंह राठौड़, गिरधारी सिंह शेखावत, श्याम सिंह राठौड़, सतेन्द्र कौशिक, सुशील पदमपुरिया, प्रमोद आरडावतीय, मामराज अग्रवाल, गोरी शंकर शर्मा आयोजन समिति के प्रमुख शिक्षाविद पुरुषोत्तम लाल शर्मा, सुभाष शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, प्रदीप शर्मा, पुरुषोत्तम लाल शर्मा, कमल शर्मा, विनोद शर्मा, कृष्ण शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, विजय कुमार, अशोक जोशी, जितेन्द्र शर्मा, श्रीकांत शर्मा, शरद शर्मा, शुभम शर्मा, मुकुल शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालू मौजूद थे। पत्रकार विजेंद्र शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

पार्श्व जैन मिलन को आचार्य श्री आर्जव सागर जी की पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। आज सोमवार को पार्श्व जैन मिलन को नगर में विराजमान आचार्य श्री आर्जव सागर जी ससंघ की पूजन करने का सौभाग्य मिला । पार्श्व जैन मिलन के सदस्यो ने पहले पार्श्वनाथ मंदिर में अभिषेक पूजन शांतिधारा की और फिर ढौल के साथ नाचते गाते अष्ट द्रव्य लेकर सुभाष गंज मन्दिर रैली के साथ गये वहाँ जाकर आचार्य श्री की पूजन पूर्ण भक्ति भाव से की । क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेश जैन ने बताया कि आज पूजन हेतु दि.जैन पंचायत द्वारा पार्श्व जैन मिलन को जिम्मेदारी दी गई थी इससे सभी सदस्य बहुत ही उत्साह के साथ पूजन करने शुद्ध वस्त्रों मै आएं। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष जीतू जैन ,मंत्री नीरज तारई, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुनील जैन धन्नू, प्रवीण जैन नेशनल,सुयोग जैन ,संयोजक मनीष जैन महावीर टी, आशीष जैन ,संतोष जैन, विनोद जैन पडौरा, देवेन्द्र जैन, राजू जैन पान, राहुल जैन, राजेश जैन राजू किराना ने प्रमुख रूप से सहभागिता की तथा जैन समाज अध्यक्ष राकेश जी काँसल एवं महामंत्री राकेश अमरोद ,विपिन सिंघई, निर्मल जैन मिर्ची, सुनील अखाई ने पार्श्व जैन मिलन का धन्यवाद किया तथा आचार्य श्री ने सभी को आशीर्वाद दिया।

राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड गठन की घोषणा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा का माल्यार्पण कर मुंह मीठा कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन करने पर जैन समाज के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा का माल्यार्पण कर एवं मुंह मीठा कराकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर जय कुमार जैन बड़जात्या ,समाज सेवी, मोहित जैन वैशाली नगर कांग्रेस मण्डल अध्यक्ष, गौरव जैन, सामाजिक कार्यकर्ता, पूनम चन्द जैन सदस्य, श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति, विजय कुमार जैन राजकीय अधिकारी, सौरभ जैन युवा सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिला मंडल जनकपुरी द्वारा सावन लहरिया उत्सव का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला मंडल जनकपुरी के द्वारा सावन लहरिया उत्सव मोजारी ढाणी में धूमधाम से मनाया गया। अध्यक्ष शकुंतला बिंदाक्या ने बताया कि 90 सदस्यो ने बढ़-चढ़कर इस प्रोग्राम में भाग लिया। मंत्री अनीता बिंदायका, कोषाध्यक्ष सुनीता जैन ने दौलत जैन, सुलोचना जैन, पुष्पा , छाया जैन, शीला जैन, मंजू बड़जात्या, मृदुला जैन, मीना चांदवाड, स्नेह लता , अंजू , मीना कासलीवाल एग्जीक्यूटिव को दुपट्टा उड़ा कर स्वागत किया । कार्याध्यक्ष उर्मिला जैन ने सबके तिलक लगाकर सब का सम्मान किया। अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका ने बताया कि. मोजारी ढाणी में सब महिलाओं ने बहुत ही आनंद के साथ ऊंट की सवारी बग्गी की सवारी झूले स्विमिंग पूल का जमकर लुत्फ उठाया तथा सभी सुहागिनें ने लहरिया पहनकर वहां पर मेहंदी से अपने हाथों को सजाया। ऐसे लग रही थी जैसे सावन की सवारी निकल रही हो। इंद्रदेव भी प्रसन्न होकर बीच-बीच में अपनी कृपा दृष्टि रख रहे थे। बड़े ही आनंद के साथ प्रोग्राम संपन्न हुआ ।

VJS विश्व जैन संगठन जयपुर शाखा कार्यालय का उद्घाटन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व जैन संगठन की राजस्थान में जयपुर शाखा के गठन के बाद आज दिनाक 23 जुलाई 2023 को एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनी मानसरोवर में जयपुर शाखा का कार्यालय खोला गया। **कार्यालय स्थान :- मकान नंबर 124/267, नगर निगम ऑफिस के पीछे, थड़ी मार्केट, मानसरोवर, जयपुर।** कार्यालय का उदघाटन प्रमुख समाज सेवी एवं संगठन सदस्य अशोक रमा जैन ने किया इसके अलावा दीप प्रज्वलन श्रीमान वैभव जैन, अनुज जैन ने किया। इसके बाद सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने नमोकार महामंत्र बोलकर कार्यक्रम की शुरूआत करी। अध्यक्ष बाबूलाल जैन ने संगठन के भविष्य के उद्देश्य को सभी पदाधिकारियों की सपरिवार उपस्थिति में बताया की संगठन का उद्देश्य मात्र और मात्र जैन धर्म, तीर्थ , गुरु एवं समाज का संरक्षण, संवर्धन एवं विकास है। कार्यक्रम में आगे महामंत्री आशीष जैन ने सभी कार्यकारणी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के बारे में अवगत आपस में अवगत कराते हुए , संगठन के आगे की रूप रेखा पर चर्चा करी। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे एवं उन्होंने सभी सदस्यों को बधाई देते हुए श्खर के बारे में बताया और वादा किया की जल्दी ही वो जयपुर कार्यालय शाखा में आयेंगे। कार्यक्रम में नवनीत जैन,विकास जैन, राखी जैन,प्रमोद जैन,अभिषेक जैन, दीपेश जैन, कमलेश जैन, अतीव जैन, अनुज जैन, वैभव जैन, निर्मल जैन, आकाश जैन उपस्थित रहे।

अहिंसा, शाकाहार एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार प्रसार कर जयपुर लौटा 8 दिवसीय बुन्देलखण्ड धार्मिक यात्रा दल

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में 26 तीर्थों के सैकड़ों मंदिरों की दर्शन वन्दना एवं यात्रा सहित भगवान महावीर के सिद्धांतों एवं अहिंसा शाकाहार का प्रचार प्रसार करने के उद्देश्य को लेकर गत 16 जुलाई को जयपुर से रवाना हुआ 8 दिवसीय बुन्देलखण्ड धार्मिक यात्रा दल सोमवार,24 जुलाई को जयपुर लौटा। संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन, यात्रा दल के मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल, संयोजक सुरेश ठोलिया, विनोद जैन कोटखावदा, मनीष लुहाड़िया एवं पवन जैन नैनवां के नेतृत्व में गये 170 सदस्यीय दल ने यात्रा के दौरान सामूहिक पूजा, अभिषेक, शांतिधारा, महाआरती,पर्वत वन्दना एवं धार्मिक गतिविधियों सहित भगवान महावीर के सिद्धांतों एवं अहिंसा शाकाहार का प्रचार प्रसार कर जनमानस को जागृत किया । संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन ने बताया कि यात्रा के दौरान कुण्डलपुर में धार्मिक हाऊजी के माध्यम से जैन धर्म की ज्ञान वर्धक जानकारी यात्रियों को दी गई। पपौरा जी में यात्रियों ने सामूहिक पूजा कर सारा वातावरण भक्तिमय बना दिया। मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल एवं संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि यात्रा के दौरान आचार्य युधिष्ठिर सागर महाराज, आचार्य ज्ञेय सागर महाराज, आचार्य पुण्य सागर महाराज,आचार्य दया सागर महाराज,मुनि विश्रांत सागर महाराज,मुनि विनम्र सागर महाराज, गणिनी आर्यिका लक्ष्मी भूषण माताजी,स्वस्तिभूषण माताजी, आर्यिका विपुल मति,आर्यिका विमुक्ति मति माताजी के दर्शन लाभ प्राप्त कर आशीर्वचनों का लाभ उठाया।